|  |
| --- |
| 07. Juli 2024 |
| **14. Sonntag im Jahreskreis B** |
| Erste Lesung: Ez 1,28c-2,5; Zweite Lesung: 2 Kor 12,7-10; Evangelium: Mk 6,1b-6 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 481, 1+4+5 | Sonne der Gerechtigkeit |
|  | GL 140 | Kommt herbei |
|  | GL 1442, 1+2 | Zu dir, o Gott |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 137 | Herr, erbarme dich unser |
|  | GL 437 | Meine engen Grenzen |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 714 | Ehre dir, Gott |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 123, 1-4 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 307, 5 | Meine Hilfe und mein Retter |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 347, 2 | Der Geist des Herrn |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | Ruf: GL 174, 3 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Der Geist des Herrn ruht auf mir.* |
|  | *Der Herr hat mich gesandt,*  |
|  | *den Armen die frohe Botschaft zu bringen.* |
|  |  |
| Credo: | GL 354 | Gott ist dreifaltig einer |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 188, 1-4 | Nimm, o Gott, die Gaben |
|  | GL 446 | Lass uns in deinem Namen |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 138 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 139 | Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 364, 1+5 | Schönster Herr Jesu |
|  | GL 414 | Herr, unser Herr |
|  | GL 216 | Im Frieden dein |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 347, 2+4 | Der Geist des Herrn |
|  | GL 384, 1+2 | Hoch sein gepriesen |